RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जनवरी
15
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

माइक्रोफाइनेंस सेक्टर / Microfinance sector

संदर्भ:

भारत के माइक्रोफाइनेंस सेक्टर में, शीर्ष दस राज्यों में डिफॉल्ट मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है, जबकि बैंकिंग क्षेत्र 12 वर्षों में सबसे कम गैर-निष्पादित संपत्तियों (NPAs) में समग्र रूप से गिरावट देखी गई है।

सूक्ष्म वित्त / Microfinance:

सूक्ष्म वित्त का तात्पर्य उन गरीब और निम्न-आय वाले परिवारों को बहुत कम राशि में ऋण और अन्य वित्तीय सेवाएँ और उत्पाद प्रदान करना है, जो ग्रामीण, अर्ध-शहरी या शहरी क्षेत्रों में रहते हैं। इसका उद्देश्य उनकी आय बढ़ाना और जीवन स्तर सुधारना है। यह वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने वाला एक आर्थिक उपकरण है, जो गरीबों को गरीबी से बाहर निकलने में सहायता करता है।

सूक्ष्म वित्त संस्थानों (MFIs) के प्रकार:

1. **गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ - सूक्ष्म वित्त संस्थान (NBFC-MFIs):**
   - ये संस्थान विशेष रूप से सूक्ष्म वित्त सेवाएँ प्रदान करने के लिए स्थापित होते हैं।
2. **गैर-सरकारी संगठन (NGOs):**
   - ये गैर-लाभकारी संगठन के रूप में कार्य करते हैं और सूक्ष्म वित्त प्रदान करते हैं।
3. **सहकारी समितियाँ (Cooperatives):**
   - ये सदस्य-स्वामित्व वाले संगठन हैं जो सूक्ष्म वित्त सेवाएँ प्रदान करते हैं।
4. **वाणिज्यिक बैंक और लघु वित्त बैंक (SFBs):**
   - ये अपने प्राथमिक क्षेत्र ऋण (Priority Sector Lending) के हिस्से के रूप में सूक्ष्म वित्त प्रदान करते हैं।

वर्तमान स्थिति:

बढ़ते डिफॉल्ट्स:

- निम्न-आय वर्ग के लिए माइक्रोफाइनेंस ऋणों में **Portfolio at Risk (PAR)** (31-180 दिनों के अतिदेय ऋण) में तेज वृद्धि देखी गई है।
- **भौगोलिक प्रभाव:** बिहार, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और ओडिशा, कुल 62% नई देर से भुगतानों के लिए जिम्मेदार हैं।
- डिफॉल्ट्स सभी ऋण श्रेणियों में बढ़ रहे हैं, और **लघु वित्त बैंक (SFBs)** सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं।

बाजार हिस्सेदारी और वृद्धि:

- **NBFCs और बैंक** माइक्रोफाइनेंस ऋण पोर्टफोलियो का 71.3% हिस्सा रखते हैं।
- **सालाना वृद्धि:**
  - ऋण पुस्तक (Loan Book) में 7.6% की वृद्धि।
  - सक्रिय ग्राहक आधार (Live Customer Base) में 8.9% की वृद्धि।
- **तिमाही गिरावट:** ऋण पुस्तक में 4.3% की कमी।
  - ग्राहक आधार में 1.1% की कमी।

माइक्रोफाइनेंस संस्थानों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियाँ:

1. **निम्न-लागत दीर्घकालिक निधि जुटाने में कठिनाई:**
   - माइक्रोफाइनेंस संस्थानों को कम लागत पर दीर्घकालिक धन जुटाने में समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जो उनके संचालन को प्रभावित करता है।
2. **असुरक्षित ऋण पोर्टफोलियो का जोखिम:**
   - ऋण पोर्टफोलियो का बड़ा हिस्सा असुरक्षित माइक्रोऋणों में केंद्रित होने से संस्थाएँ अधिक जोखिम और अस्थिरता के प्रति संवेदनशील हो जाती हैं।
3. **ऋण-माफी अभियान:**
   - राज्यों द्वारा ऋण माफी अभियानों से ऋण चुकौती चक्र बाधित होता है, जिससे वित्तीय अनुशासन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

सूक्ष्म वित्त का महत्व (Significance of Microfinance):

1. **वित्तीय समावेशन:**
   - लगभग **8 करोड़ निम्न-आय वर्ग के उधारकर्ताओं** को वित्तीय सेवाएँ प्रदान करता है, जिन्हें पारंपरिक बैंकिंग सेवाओं से बाहर रखा गया है।
2. **ग्रामीण विकास और गरीबी उन्मूलन:**
   - हस्तशिल्प, कृषि, और छोटे पैमाने के विनिर्माण जैसे स्थानीय उद्योगों का समर्थन करता है।
   - आत्म-रोजगार को बढ़ावा देकर मौसमी या शोषणकारी नौकरियों पर निर्भरता कम करता है।
3. **महिला सशक्तिकरण: महिला स्व-सहायता समूहों (SHGs)** को सूक्ष्म वित्त प्रदान करके उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता और निर्णय लेने की शक्ति देता है।

दिसंबर में भारत की खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 5.22% पर आ गई / India's Retail Inflation Drops to 5.22% in December

संदर्भ:

दिसंबर में रिटेल महंगाई दर 4 महीने के निचले स्तर पर आ गई है। जारी आंकड़ों के मुताबिक महंगाई घटकर 5.22% हो गई है। इससे पहले नवंबर में महंगाई दर 5.48% पर थी। वहीं 4 महीने पहले अगस्त में महंगाई 3.65% पर थी।

मुख्य विशेषताएँ:

1. **खाद्य मुद्रास्फीति (Food Inflation):**
   - **उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (CFPI)** दिसंबर में वार्षिक आधार पर 8.39% की वृद्धि दर्ज की गई, जो नवंबर के 9% से कम है।
   - **कमी वाले खाद्य पदार्थ**:
     - सब्जियाँ: 26.6% (नवंबर में 29% से कम)।
     - दालें: 3.8%।
     - अनाज: 6.51%।
   - **मूल्य वृद्धि वाले खाद्य पदार्थ**:
     - मांस: 5.3%।
     - अंडे: 6.85%।
     - खाद्य तेल: 14.6%।
     - फल: 8.5%।
2. **मूल मुद्रास्फीति (Core Inflation):**
   - खाद्य और ईंधन जैसे अस्थिर घटकों को छोड़कर, दिसंबर में मूल मुद्रास्फीति घटकर 3.5% हो गई, जो घरेलू मांग के दबाव में कमी का संकेत देती है।
3. **क्षेत्रीय विविधताएँ (Regional Variations):**
   - ग्रामीण क्षेत्रों में मुद्रास्फीति दर 5.76% दर्ज की गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह दर अपेक्षाकृत कम, 4.58%, रही।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (Consumer Price Index - CPI):

परिभाषा:

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) एक सांख्यिकीय माप है, जिसका उपयोग समय के साथ घरों द्वारा उपभोग किए जाने वाले वस्तुओं और सेवाओं की औसत मूल्य स्तर में बदलाव को ट्रैक करने के लिए किया जाता है।

महत्व:

- **मुद्रास्फीति (Inflation)** का आकलन करता है।
- जीवनयापन की लागत (Cost of Living) के बारे में जानकारी प्रदान करता है।
- एक महत्वपूर्ण आर्थिक संकेतक के रूप में कार्य करता है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) की गणना:

परिभाषा:

- CPI को प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है।
- यह किसी विशेष समय अवधि में बाजार में वस्तुओं और सेवाओं के सामान्य मूल्य स्तर की तुलना पिछले समय की एक आधार वर्ष से करता है।
- वर्तमान में **आधार वर्ष 2012** है।

2. **गणना का सूत्र:**
   - **CPI = (वर्तमान वर्ष में वस्तुओं और सेवाओं की निश्चित बास्केट की लागत / आधार वर्ष में वस्तुओं और सेवाओं की निश्चित बास्केट की लागत) × 100**
3. **डेटा संग्रहण और प्रकाशन:**
   - **राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO)**, जो **सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI)** के अंतर्गत आता है, पूरे भारत के साथ ग्रामीण, शहरी और समग्र क्षेत्रों के लिए CPI को संकलित करता है।
   - CPI के आंकड़े हर महीने प्रकाशित किए जाते हैं।

महंगाई कैसे बढ़ती-घटती है?

महंगाई का बढ़ना और घटना मुख्य रूप से **डिमांड** और **सप्लाई** पर निर्भर करता है:

1. **महंगाई का बढ़ना:**
   - जब लोगों के पास अधिक पैसे होते हैं, तो वे ज्यादा वस्तुएं खरीदते हैं।
   - अधिक खरीदारी से वस्तुओं की डिमांड बढ़ती है।
   - अगर सप्लाई पर्याप्त नहीं होती, तो डिमांड के मुकाबले कीमतें बढ़ जाती हैं, जिससे महंगाई बढ़ती है।
2. **महंगाई का घटना:**
   - अगर डिमांड कम हो और सप्लाई अधिक हो, तो महंगाई घटती है क्योंकि वस्तुओं की अधिकता के कारण कीमतें स्थिर रहती हैं।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना / Ayushman Bharat Prime Minister Public Health Scheme (PM-JAY)

संदर्भ:

ओडिशा ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB PM-JAY) को लागू करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर करके 34 वाँ राज्य/ केंद्र शासित प्रदेश बन गया है।

मुख्य बिंदु:

1. **स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार:**
   ओडिशा सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) के बीच हुए इस ऐतिहासिक समझौते का उद्देश्य राज्य के लगभग **1.03 करोड़ परिवारों** के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को बेहतर बनाना है।
2. **दो योजनाओं का एकीकरण:**
   आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB PM-JAY) का क्रियान्वयन ओडिशा में **गोपबंधु जन आरोग्य योजना (GJAY)** के साथ किया जाएगा।
3. **प्रभावित जनसंख्या:**
   इस योजना के अंतर्गत ओडिशा के **लगभग 4.5 करोड़ निवासी** लाभान्वित होंगे।
4. **स्वास्थ्य परिणामों में सुधार:**
   इस समन्वय का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को सुव्यवस्थित करना और लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित करना है।

आयुष्मान भारत PM-JAY (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना):

- **PM-JAY** विश्व की सबसे बड़ी सरकार द्वारा वित्तपोषित स्वास्थ्य बीमा योजना है, जो 2018 में शुरू की गई थी।
- यह **प्रत्येक परिवार को 5 लाख रुपये** का स्वास्थ्य कवर प्रदान करता है, जो द्वितीयक और तृतीयक देखभाल के लिए है।
- स्वास्थ्य लाभ पैकेज में **सर्जरी**, **चिकित्सा उपचार**, **डे-केयर प्रक्रियाएं**, **दवाएं** और **डायग्नोस्टिक्स** शामिल हैं।

लाभार्थी:

- यह योजना **अधिकार-आधारित** है और **सोशल-इकोनॉमिक कास्ट सर्वे (SECC)** के माध्यम से चिन्हित लाभार्थियों को लक्षित करती है।
- राज्य/संघ शासित प्रदेश SECC के अधूरे परिवारों के लिए समान सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइल वाले परिवार डेटाबेस का उपयोग कर सकते हैं।

वित्तपोषण:

- इस योजना का **वित्तपोषण** केंद्र और राज्य/संघ शासित प्रदेशों के बीच साझा किया जाता है:
  - **60:40** राज्यों के लिए जिनके पास अपनी विधानसभा है।
  - **90:10** उत्तर-पूर्वी राज्यों, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लिए।
  - **100%** केंद्रीय वित्तपोषण उन संघ शासित प्रदेशों के लिए जिनके पास विधानसभा नहीं है।

नोडल एजेंसी:

- **राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA)** इस योजना को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए स्वायत्त निकाय के रूप में काम करता है, जो राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करता है।
- **राज्य स्वास्थ्य एजेंसी (SHA)** राज्य स्तर पर योजना के कार्यान्वयन के लिए शीर्ष निकाय है।

आयुष्मान भारत PM-JAY की उपलब्धियाँ:

1. **रिमोट क्षेत्रों में सफलता:** योजना ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों जैसे **बस्तर** और **बीजापुर** में सफलता पाई है, जहाँ अस्पताल में भर्ती होने की दर **4.3%** बढ़ी है।
2. **कैंसर रोगियों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ:** **Lancet** अध्ययन के अनुसार, **AB PM-JAY** के तहत **कैंसर रोगियों** को **33%** अधिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच प्राप्त हुई है।
3. **कुल अस्पताल में भर्ती:** योजना की शुरुआत से लेकर अब तक कुल **8.19 करोड़** अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं।
4. **वित्तीय व्यय:** इस योजना के तहत **₹1.13 लाख करोड़** की राशि खर्च की गई है, जिससे **वंचित वर्ग** को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई हैं।
5. **कवर किए गए चिकित्सा उपचार:** **AB PM-JAY** के तहत **2,000 से अधिक चिकित्सा प्रक्रियाएँ** और **27 विशेषज्ञताओं** को कवर किया गया है, जिसमें **बाइपास सर्जरी** और **घुटने की प्रतिस्थापन सर्जरी** जैसी प्रमुख सर्जरी भी शामिल हैं।

रूस ने कुडनकुलम की छठी इकाई के लिए रिएक्टर पोत भेजा / Russia ships reactor vessel to Kudankulam sixth unit

संदर्भ:

रूसी सरकारी कंपनी रोसाटॉम ने तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले में स्थापित हो रहे कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र की छठी और अंतिम इकाई को एक विशेष जहाज के माध्यम से भेजा है।

मुख्य बिंदु:

1. **रिएक्टर निर्माण और आपूर्ति:**
   - रिएक्टर वेसल का निर्माण **एटोममाश प्लांट** (Rosatom की मशीन बिल्डिंग डिवीजन) में किया गया।
   - इसे **न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NPCIL)** को भेजा गया।
2. **कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट (KKNPP):**
   - **रूसी डिजाइन** के अनुसार **चार नए न्यूक्लियर पावर यूनिट्स** का निर्माण चल रहा है।
   - इस पावर स्टेशन का डिजाइन, निर्माण और उपकरणों की आपूर्ति **Rosatom की इंजीनियरिंग डिवीजन** द्वारा की जा रही है।
3. **कुल उत्पादन क्षमता:**
   - कुडनकुलम में **6 पावर यूनिट्स** का निर्माण हो रहा है।
   - हर यूनिट में **VVER-1000 रिएक्टर** होंगे।
   - कुल स्थापित क्षमता: **6,000 मेगावाट।**
4. **पहले चरण के यूनिट्स:**
   - **यूनिट 1 और 2**: 2013 और 2016 में **राष्ट्रीय ग्रिड** से जोड़े गए।
   - ये यूनिट्स **दक्षिणी भारत** में बिजली की आपूर्ति करते हैं।
5. **वर्तमान प्रगति:**
   - **यूनिट 3 और 4**: निर्माण और स्थापना कार्य **लगभग पूरा।**
   - **यूनिट 5 और 6**: तीसरे चरण के तहत निर्माण कार्य शुरू।

कुडनकुलम परमाणु बिजली संयंत्र:

1. **समझौता और शुरुआत**:
   - **1988 में** भारत सरकार और सोवियत संघ के बीच **6000 मेगावाट** क्षमता के परमाणु बिजली संयंत्र की स्थापना के लिए एक समझौता किया गया था।
   - यह संयंत्र **तमिलनाडु के कुडनकुलम** में स्थित होगा और यह **भारत का सबसे बड़ा परमाणु बिजली संयंत्र** होगा।
2. **संयंत्र की संरचना**: इस संयंत्र में **6 यूनिट** होंगे, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता **1000 मेगावाट** है।
3. **समझौते का अद्यतन**:
   - **1998 में** भारत और सोवियत संघ के उत्तराधिकारी राज्य **रूस** के बीच एक समझौता हुआ, जिसके तहत भारत को परमाणु रिएक्टर से निकला हुआ **spent fuel** (व्ययित ईंधन) भारत में ही रखने की अनुमति प्राप्त हुई।

भारत के परमाणु बिजली संयंत्र:

1. **भारत में परमाणु ऊर्जा का महत्व**: परमाणु ऊर्जा **भारत में बिजली का चौथा सबसे बड़ा स्रोत** है, जो थर्मल, जलविद्युत और नवीकरणीय स्रोतों के बाद आता है।
2. **वर्तमान स्थिति**: भारत में **7 परमाणु बिजली संयंत्रों में 21 रिएक्टर** संचालित हो रहे हैं, जिनकी **कुल स्थापित क्षमता 5780 मेगावाट** है।
   - इन संयंत्रों से कुल **30,292.91 GWh** बिजली उत्पादन होता है।
3. **निर्माणाधीन रिएक्टर**: **6 और रिएक्टर निर्माणाधीन हैं**, जो **4,300 मेगावाट** अतिरिक्त बिजली उत्पादन करने की संभावना रखते हैं।
4. **भविष्य की योजनाएँ**: भारत का **लक्ष्य 2032 तक परमाणु ऊर्जा क्षमता 63,000 मेगावाट** तक पहुंचाना है, जो इसके ऊर्जा उत्पादन में महत्वपूर्ण वृद्धि करेगा।

भारत में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लाभ:

- **कम कार्बन उत्सर्जन:** पर्यावरण के लिए स्वच्छ ऊर्जा।
- **ऊर्जा दक्षता:** कम ईंधन से अधिक ऊर्जा उत्पादन।
- **ऊर्जा सुरक्षा:** आयातित जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम।
- **सतत विद्युत आपूर्ति:** स्थिर और निरंतर ऊर्जा।
- **लंबी अवधि में लागत प्रभावी:** संचालन और ईंधन खर्च कम।
- **प्रौद्योगिकी उन्नति:** अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा।
- **रोजगार के अवसर:** निर्माण, संचालन, और रखरखाव में नौकरियां।
- **देशी संसाधनों का उपयोग:** थोरियम भंडार का लाभ।

भारत में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की चुनौतियां:

- **उच्च प्रारंभिक लागत:** निर्माण और तकनीकी निवेश महंगे।
- **जन विरोध:** सुरक्षा और पर्यावरणीय चिंताओं के कारण प्रतिरोध।
- **नाभिकीय ईंधन आपूर्ति:** यूरेनियम आयात पर निर्भरता।
- **अपशिष्ट प्रबंधन:** रेडियोधर्मी कचरे का सुरक्षित निपटान कठिन।

चागोस द्वीपसमूह / Chagos Islands

संदर्भ:

यूके और मॉरीशस ने चागोस द्वीपसमूह पर संप्रभुता को लेकर चल रही बातचीत में "अच्छी प्रगति" की पुष्टि की है। दोनों देशों ने संयुक्त बयान में यह जताया कि वे एक ऐसे समझौते पर पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसके तहत मॉरीशस को चागोस द्वीपसमूह पर संप्रभुता प्राप्त होगी।

चागोस द्वीपसमूह (Chagos Islands):

1. **भौगोलिक स्थिति:**
    - चागोस द्वीपसमूह **केंद्रिय भारतीय महासागर** में स्थित है, जो **मालदीव्स** से लगभग **500 किलोमीटर** दक्षिण और **भारत** से लगभग **1,600 किलोमीटर** दक्षिण-पश्चिम स्थित है।
    - इसमें कुल **58 द्वीप** हैं, जिनमें से **डिएगो गार्सिया** सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण है।
2. **औपनिवेशिक इतिहास:**
    - चागोस द्वीपों की खोज **16वीं सदी में पुर्तगाली नाविकों** द्वारा की गई थी, जिन्होंने कुछ द्वीपों को नक्शे में अंकित किया और नामित किया।
    - इसके बाद **डचों** ने इन द्वीपों का अन्वेषण किया लेकिन यहां बसने का कोई प्रयास नहीं किया।
    - बाद में, ये द्वीप **फ्रांसीसी नियंत्रण** में आ गए, साथ ही **मॉरीशस** और **रेयूनियन** भी फ्रांस के अंतर्गत थे, और फ्रांस ने इन द्वीपों के अतिरिक्त नाम दिए।
    - फ्रांस ने **मेडागास्कर और मोजाम्बिक** से गुलाम श्रमिकों को लाकर नारियल के बागानों में काम करने के लिए लगाया। इसके बाद **दक्षिण भारत** से श्रमिकों को भी लाया गया।
    - नेपोलियन की पराजय के बाद, ब्रिटेन ने चागोस और मॉरीशस पर नियंत्रण कर लिया।
    - **1814** में फ्रांस ने इन द्वीपों को **ब्रिटेन को सौंप दिया**।

चागोस द्वीपसमूह से संबंधित प्रमुख समझौते और समझौते:

1. **ब्रिटिश भारतीय महासागर क्षेत्र (BIOT) गठन (1965):**
    - UK ने BIOT स्थापित किया, चागोस द्वीपसमूह को मॉरीशस से अलग किया।
    - मॉरीशस को इसके बदले 3 मिलियन पाउंड का मुआवजा मिला।
2. **UK-US समझौता, डिएगो गार्सिया (1966):**
    - UK और US ने एक रक्षा समझौता किया, जिससे BIOT को सैन्य प्रयोजनों के लिए उपलब्ध कराया गया।
    - डिएगो गार्सिया एक महत्वपूर्ण सैन्य ठिकाना बन गया।
    - चागोशियनों को बलात्कृत किया गया, और उन्हें मॉरीशस और UK में पुनर्वासित किया गया।
3. **संयुक्त राष्ट्र और ICJ की भागीदारी:**
    - **2017**: UN महासभा ने ICJ से द्वीपों की कानूनी स्थिति पर राय मांगी।
    - **2019**: ICJ ने UK के द्वीपों के प्रशासन को अवैध ठहराया और छह महीने के भीतर हटने का आदेश दिया।
4. **UK-मॉरीशस समझौता (2023):**
    - मॉरीशस और UK ने चागोस द्वीपसमूह के संप्रभुता पर समझौता किया।
    - UK ने अपने दावों को त्याग दिया, मॉरीशस को द्वीपों पर पुनर्वास कार्यक्रम लागू करने की अनुमति दी (डिएगो गार्सिया को छोड़कर)।
    - UK डिएगो गार्सिया पर 99 वर्षों तक संप्रभुता बनाए रखेगा, और चागोशियनों के लिए एक नया ट्रस्ट फंड बनाया जाएगा।

चागोस द्वीपसमूह का महत्व

1. **भू-रणनीतिक स्थान:**
    - यह केंद्रीय भारतीय महासागर में स्थित है, जो प्रमुख शिपिंग मार्गों की निगरानी और क्षेत्रीय सुरक्षा में मदद करता है, और सैन्य शक्ति के प्रक्षेपण के लिए महत्वपूर्ण है।
2. **UK-US सैन्य ठिकाना:**
    - डिएगो गार्सिया में स्थित यह सैन्य ठिकाना दोनों देशों के लिए लॉजिस्टिक्स, निगरानी और खुफिया कार्यों में अहम भूमिका निभाता है, खासकर मध्य पूर्व, अफ्रीका और दक्षिण एशिया में।
3. **पर्यावरण और जैव विविधता:**
    - चागोस द्वीपसमूह का समृद्ध समुद्री जीवन और प्राचीन पर्यावरण वैज्ञानिक अनुसंधान और संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है।

नाग मार्क 2 मिसाइल / Nag Mark 2 Missile

संदर्भ:

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने हाल ही में नाग मार्क 2 मिसाइल के सफल क्षेत्र मूल्यांकन परीक्षण किए हैं। यह तीसरी पीढ़ी की "फायर-एंड-फॉरगेट" एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है, जिसे राजस्थान के पोखरण क्षेत्र परीक्षण स्थल पर परखा गया।

नाग मार्क 2 मिसाइल:

नाग मार्क 2 भारत में विकसित एक तृतीय पीढ़ी की एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है। यह **फायर-एंड-फॉरगेट** तकनीक से लैस है, जिससे ऑपरेटरों को लक्ष्यों को लॉक करने के बाद मिसाइल छोड़ने की अनुमति मिलती है। इस तकनीक के कारण मिसाइल को लॉन्च के बाद अतिरिक्त मार्गदर्शन की आवश्यकता नहीं होती, जिससे यह सटीक हमले सुनिश्चित करता है। यह मिसाइल आधुनिक आर्मर्ड खतरों को निष्क्रिय करने के लिए डिजाइन की गई है, और भारत की रक्षा शस्त्रागार में महत्वपूर्ण जोड़ है।

मुख्य विशेषताएँ:

- **फायर-एंड-फॉरगेट तकनीक:** ऑपरेटर पहले लक्ष्यों को लॉक कर सकते हैं, जो जटिल युद्धक्षेत्र स्थितियों में भी सटीक हमलों को सुनिश्चित करती है।
- **विविधता:** यह आधुनिक आर्मर्ड खतरों को नष्ट करने में सक्षम है, जिसमें **एक्सप्लोसिव रिएक्टिव आर्मर (ERA)** से लैस टैंकों को भी शामिल किया गया है।
- **प्रभावी सीमा:** परीक्षणों के दौरान अधिकतम और न्यूनतम सीमा पर मान्यता प्राप्त प्रदर्शन।
- **प्लेटफॉर्म एकीकरण:** इसे कई प्लेटफार्मों के साथ एकीकृत किया जा सकता है, जिसमें **नाग मिसाइल कैरियर (NAMICA)** शामिल है, जो संचालन में अधिक लचीलापन प्रदान करता है।
- **उन्नत मार्गदर्शन प्रणाली:** इसे उन्नत **इमेजिंग इंफ्रारेड (IIR) सीकर** से लैस किया गया है, जो दिन और रात दोनों स्थितियों में सटीकता को बढ़ाता है।

नाग मिसाइल कैरियर (NAMICA) के साथ एकीकरण:

- **सफल एकीकरण:** नाग मार्क 2 मिसाइल को नाग मिसाइल कैरियर (NAMICA) संस्करण 2 के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत किया गया।
- **युद्धक्षेत्र में गतिशीलता:** यह एकीकरण युद्धक्षेत्र में अधिक गतिशीलता और तैनाती की लचीलापन प्रदान करता है।
- **ऑपरेशनल क्षमता:** NAMICA के सफल मूल्यांकन ने इस हथियार प्रणाली को पूरी तरह से ऑपरेशनल बनाने में अहम भूमिका निभाई है।
- **प्रभावी तैनाती:** मिसाइल को युद्ध परिस्थितियों में प्रभावी रूप से तैनात करने के लिए एकीकरण को सुनिश्चित किया गया है।

महत्व:

- **स्वदेशी रक्षा क्षमता:** भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करता है, जिससे विदेशी आयातों पर निर्भरता कम होती है।
- **बढ़ी हुई युद्धक्षेत्र तत्परता:** भारतीय सेना को एक अत्याधुनिक हथियार प्रणाली प्रदान करता है जो आर्मर्ड खतरों का मुकाबला करने में सक्षम है।
- **संचालनात्मक प्रभावशीलता:** उच्च सटीकता सुनिश्चित करती है कि लक्ष्यों को न्यूनतम सहयोगी क्षति के साथ निष्क्रिय किया जा सके।
- **रणनीतिक प्रतिरोध:** शत्रुओं के सामने भारत की मिसाइल प्रणाली में तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करता है, जिससे रणनीतिक प्रभाव बढ़ता है।

दक्कन ज्वालामुखी / Deccan Volcanism

संदर्भ:

एक हालिया अध्ययन में पाया गया है कि दक्कन ज्वालामुखी क्रियावली ने पृथ्वी पर जीवन, जैसे डायनासोरों के विलुप्त होने, पर गंभीर प्रभाव डाला, लेकिन उष्णकटिबंधीय वनस्पतियों पर इसका प्रभाव केवल क्षेत्रीय और अल्पकालिक था।

मुख्य निष्कर्ष:

- **उष्णकटिबंधीय वनस्पतियों की जलवायु दबावों के प्रति उच्च सहनशीलता:**
  - दक्कन ज्वालामुखीय गतिविधियों का उष्णकटिबंधीय वनस्पतियों पर उतना प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा, जिससे यह सिद्ध होता है कि इन वनस्पतियों में जलवायु दबावों के प्रति उच्च सहनशीलता थी।
- **ज्वालामुखीय गतिविधि का K-Pg जनसंहार पर प्रभाव:**
  - ज्वालामुखी गतिविधियों से जहरीली ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन हुआ, जिससे वैश्विक तापमान में वृद्धि हुई और यह Cretaceous-Paleogene (K-Pg) जनसंहार का कारण बना।
  - K-Pg जनसंहार 'फैनेरोजोइक' युग के 'बिग फाइव' जनसंहारों में से सबसे हालिया था, जिसने विशेष रूप से डायनासोरों सहित कई प्रजातियों का विलोपन कर दिया।
- **समय और परिणाम:**
  - K-Pg घटना क्रेटेशियस युग के अंत में हुई, जो तृतीयक युग की शुरुआत का संकेत थी।
  - इस जनसंहार ने पृथ्वी पर भूमि जीवों, विशेष रूप से डायनासोरों, पर विनाशकारी प्रभाव डाला।

दक्कन ज्वालामुखी (Deccan Volcanism):

Deccan Volcanism भारतीय प्लेट पर हुआ था और इसमें कई लाख सालों तक व्यापक ज्वालामुखीय गतिविधियां हुई। यह घटना क्रेटेशियस-पैलोजिन (K-Pg) सीमा के समय के साथ मेल खाती है।

- ज्वालामुखीय विस्फोटों से भारी मात्रा में ग्रीनहाउस गैसें वातावरण में उत्सर्जित हुई, जिसने वैश्विक तापमान में वृद्धि की और K-Pg जनसंहार घटना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वनस्पति और जीवों पर प्रभाव:

- **जीवों पर प्रभाव:** ज्वालामुखीय विस्फोटों ने भूमि पर रहने वाले जीवों, खासकर डायनासोरों, पर विनाशकारी प्रभाव डाला।
- **वनस्पति पर प्रभाव:** हालांकि वनस्पतियों पर प्रभाव कम था, फिर भी अध्ययन दर्शाते हैं कि ज्वालामुखीय गतिविधि ने बड़े पैमाने पर जीव-जंतु समुदायों को नष्ट कर दिया, जिससे एंजियोसपर्म (फूलों वाली पौधों) के लिए नए अवसर बने। इसके परिणामस्वरूप उष्णकटिबंधीय वनस्पतियों का विविधीकरण हुआ और नई, उपजाऊ भूमि पर इनका विकास हुआ।

अध्यान विधि:

- **अध्यानकर्ताओं का समूह:** इस अध्ययन को बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पलायोसीसेस के शोधकर्ताओं ने किया।
- **विश्लेषण प्रक्रिया:** शोधकर्ताओं ने महाराष्ट्र के येओतमल क्षेत्र से चट्टान के नमूने एकत्र किए। इन नमूनों का अध्ययन पलिनोमोर्फ (पोलन और बीजाणु) के लिए किया गया। इन जैविक सामग्री को विश्लेषण के लिए विभिन्न अम्लों का उपयोग करके निकाला गया।

उष्णकटिबंधीय वनस्पतियों की सहनशीलता:

- **ग्रीनहाउस गैसों का प्रभाव:**
  - विस्फोटों के दौरान अत्यधिक विषाक्त ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन हुआ।
  - इसके बावजूद, उष्णकटिबंधीय वनस्पतियों ने अद्वितीय सहनशीलता दिखाई।
- **जलवायु तनाव से पुन:प्राप्ति:**
  - शोध से यह पता चला कि उष्णकटिबंधीय पारिस्थितिकी तंत्र जलवायु तनावों से जल्दी पुन: प्राप्त कर सकते हैं।
  - यह उनकी अनुकूलन क्षमता को दर्शाता है।
- **जलवायु परिवर्तन पर प्रभाव:**
  - यह सहनशीलता यह संकेत देती है कि उष्णकटिबंधीय वर्षावन वर्तमान जलवायु परिवर्तन के दौरान कैसे प्रतिक्रिया कर सकते हैं।

बिग डेटा और डेटा विज्ञान समिति / Big Data and Data Science Committee

संदर्भ:

भारत ने हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के "बिग डेटा और डेटा विज्ञान समिति" (UN-CEBD) का सदस्य बनकर वैश्विक सांख्यिकीय समुदाय में अपनी बढ़ती प्रभावशीलता को सिद्ध किया है। इस कदम से भारत को डेटा विज्ञान और सांख्यिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर मिलेगा।

भारत के लिए महत्व:

- **रणनीतिक अवसर:**
  - घरेलू प्रगति को अंतरराष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ संरेखित करना और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखना।
- **सांख्यिकी उत्पादन में सुधार:**
  - डेटा संग्रह, प्रसंस्करण और विश्लेषण में नवाचार को बढ़ावा देना।
- **निर्णय-निर्माण में सुधार:**
  - नीति निर्माताओं को वास्तविक समय में जानकारी प्रदान करना, जिससे प्रमाण-आधारित निर्णय लिए जा सकें और महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का समाधान किया जा सके।

संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञ समिति: बिग डेटा और डेटा विज्ञान के आधिकारिक आंकड़े:

- **स्थापना**
  - 2014 में स्थापित, इसके पहले अध्यक्ष ऑस्ट्रेलिया थे।
  - इसका उद्देश्य बिग डेटा के लाभ और चुनौतियों की जांच करना, विशेष रूप से सतत विकास लक्ष्यों की निगरानी और रिपोर्टिंग की क्षमता को लेकर।
- **संचालन संरचना**
  - **सलाहकार बोर्ड**:
    - यह UN-CEBD का प्रबंधन निकाय है।
    - यह हर वर्ष लगभग 4 बार बैठक करता है, जहां यह UN-CEBD के कार्यों की समीक्षा करता है और रणनीतिक दिशा प्रदान करता है।
  - **UN ब्यूरो**:
    - ब्यूरो UN-CEBD के ongoing संचालन को संभालता है।

दायित्व:

- वैश्विक कार्यक्रम के लिए एक रणनीतिक दृष्टि, दिशा और समन्वय प्रदान करना, जो 2030 के सतत विकास लक्ष्य के संकेतकों सहित आधिकारिक आंकड़ों के लिए बिग डेटा का उपयोग करता हो।
- बिग डेटा स्रोतों का व्यावहारिक उपयोग बढ़ाना, जिसमें सीमा पार डेटा भी शामिल है, और मौजूदा समस्याओं का समाधान ढूंढना।
- क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और अनुभव साझा करना।
- नीति अनुप्रयोगों के लिए बिग डेटा के उपयोग के बारे में संवाद और समर्थन को बढ़ावा देना, विशेष रूप से 2030 के सतत विकास लक्ष्यों की निगरानी में।
- आधिकारिक आंकड़ों के लिए बिग डेटा के उपयोग में सार्वजनिक विश्वास बनाना।

बिग डेटा एनालिटिक्स के अनुप्रयोग:

शासन:

- उपयोगिता प्रबंधन, कानून प्रवर्तन, और शिक्षा में सुधार।
- जोखिम न्यूनीकरण, साइबर हमलों की रोकथाम, और आपदा प्रभाव कम करने में सहायक।

अर्थव्यवस्था:

- बीमा, बैंकिंग, कराधान और मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम में प्रयोग।
- ग्राहक सेवा, वित्तीय विश्लेषण, और कर चोरी का पता लगाना।

स्वास्थ्य:

- व्यक्तिगत उपचार, रोग का प्रबंधन, और महामारी की भविष्यवाणी।
- क्लिनिकल ट्रायल्स और अस्पताल प्रबंधन में सुधार।

कृषि:

- फसल उपज में सुधार और पौधों के रोगों की भविष्यवाणी।
- आपूर्ति श्रृंखला, पशुपालन और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन में सहायक।

डिजिटल क्षेत्र:

- टेलीकम्युनिकेशन और व्यक्तिगत सामग्री की अनुकूलता।
- एआई-चालित उपकरण और पहनने योग्य प्रौद्योगिकी में सुधार।

रक्षा:

- साइबर सुरक्षा को मजबूत करना और मिशन योजना में सुधार।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"
SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL
ANKIT AVASTHI
Video will be upload soon !
ANKIT AVASTHI

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
299/- YEAR
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

RO/ARO
(TEST SERIES)
ONLY 299/- YEAR
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

BPSC
(TEST SERIES)
ONLY 299 YEAR
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

SSC (TEST SERIES)
ONLY 99/- YEAR
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

RPF (TEST SERIES)
ONLY 99/- YEAR
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

Download | Application
Apni Pathshala
7878158882

Apni.Pathshala | Avasthiankit
AnkitAvasthiSir | kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE
FOUNDATION BATCH
FOR ALL
POLITY
ECONOMICS
HISTORY
GEOGRAPHY
LIVE
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Rs
4999/-
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

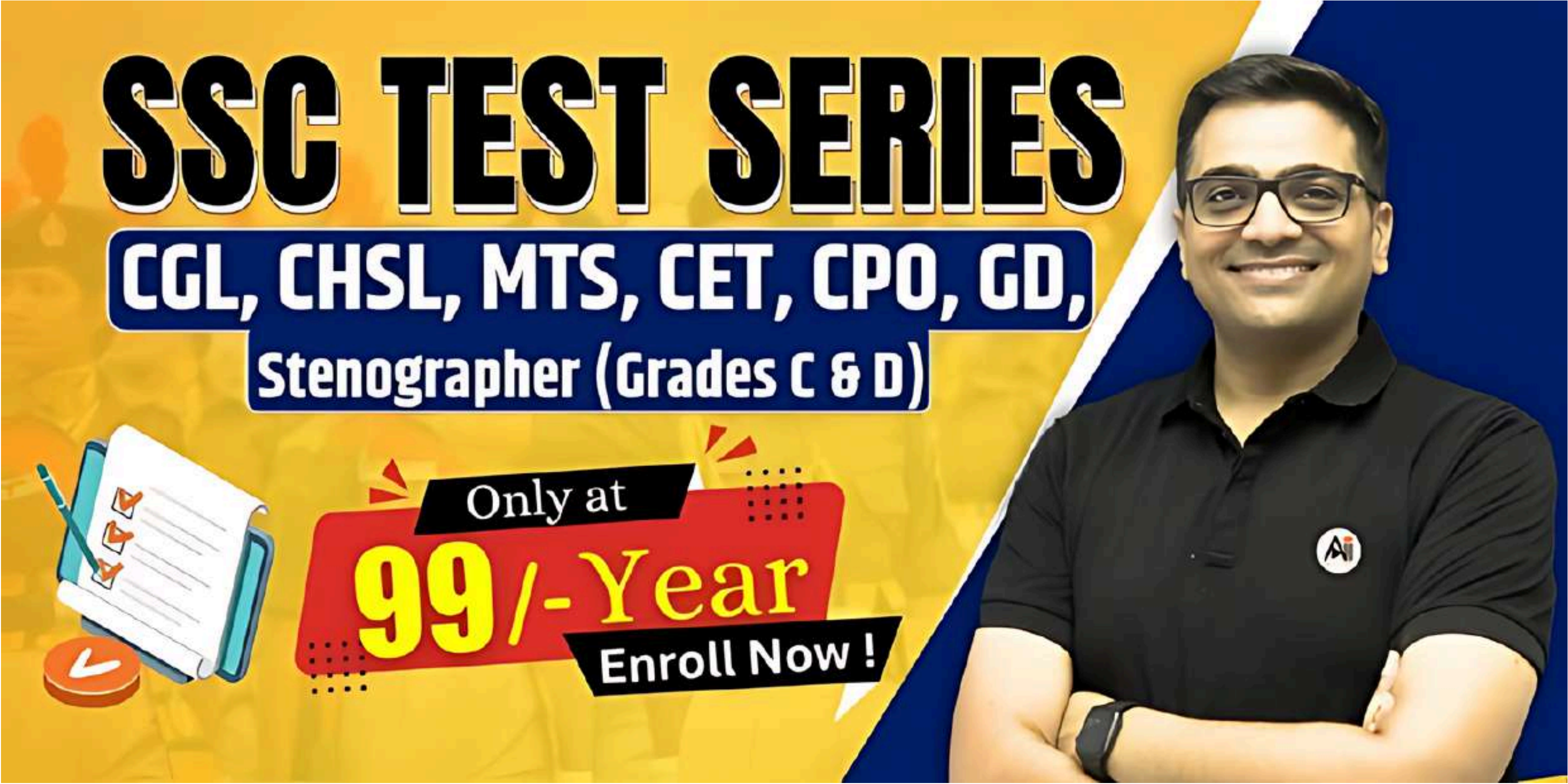
SSC TEST SERIES
CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,
Stenographer (Grades C & D)
Only at
99/-Year
Enroll Now !